



pranshu



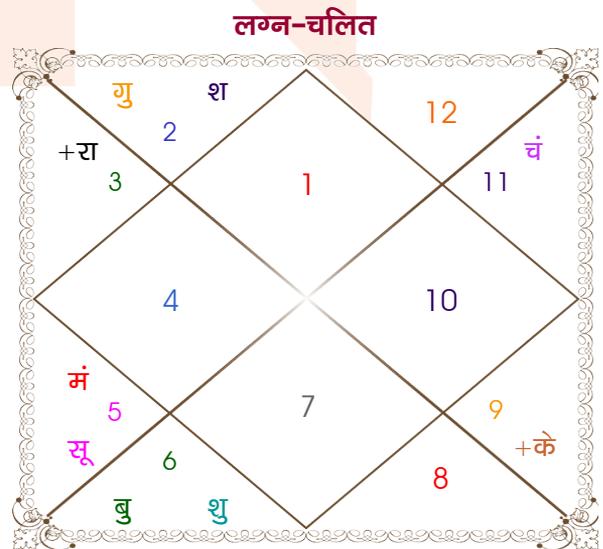
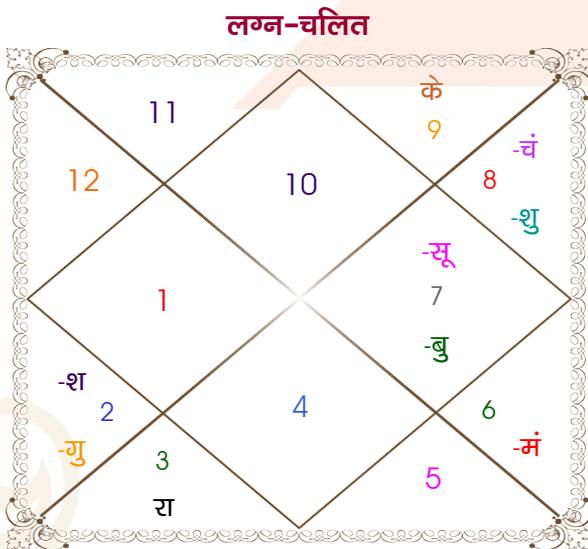
dikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121227003

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 30/10/2000 : _____ जन्म तिथि _____ : 13/09/2000
 सोमवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 13:45:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:00:00 घंटे
 घटी 18:35:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 37:44:42 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Hardoi : _____ स्थान _____ : Shahjahanpur
 27:23:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:53:00 उत्तर
 80:06:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 79:55:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:09:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:10:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:18:57 : _____ सूर्योदय _____ : 05:54:39
 17:27:25 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:17:13
 23:51:49 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:51:45

विंशोत्तरी बुध 14वर्ष 0मा 25दि शुक्र 25/11/2021 25/11/2041	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 9वर्ष 8मा 1दि शनि 16/05/2010 16/05/2029	
शुक्र	26/03/2025	12:46:09	तुला व	कन्या	15:15:08	शनि	19/05/2013
सूर्य	27/03/2026	15:49:16	वृष व	वृष	16:57:11	बुध	27/01/2016
चन्द्र	25/11/2027	19:33:59	वृश्चि	कन्या	22:41:05	केतु	07/03/2017
मंगल	25/01/2029	05:12:37	वृष व	वृष	07:06:54	शुक्र	07/05/2020
राहु	25/01/2032	24:09:17	मिथु व	मिथु	29:12:32	सूर्य	19/04/2021
गुरु	25/09/2034	24:09:17	धनु व	धनु	29:12:32	चन्द्र	18/11/2022
शनि	25/11/2037	23:02:14	मक	मक	23:45:02	मंगल	28/12/2023
बुध	25/09/2040	09:59:16	मक	नेप	10:11:54	राहु	03/11/2026
केतु	25/11/2041	17:34:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि 16:26:42	गुरु	16/05/2029



Acharya Sandeep Shastri

Greater Noida

9315747415

astrosankalp108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

pranshu का वर्ग सर्प है तथा dikha का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार pranshu और dikha का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

pranshu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

dikha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

pranshu तथा dikha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।